त्रैमासिक सूचना पत्र

संस्थान डीओटी (0212) भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-411001
628680, 622271, 625030, 627545
रेलवे 210
छात्रावास डीओटी (0212)
630579, 626816, 621669
रेलवे 432, 424

फैक्स 0212-628677,
ई-मेल iricen @giaspn01.vsnl.net.in
टेलीग्राम : रेलपथ इंटरनेट http://www.iricen.com

वर्षः द्वितीय अंकः द्वितीय (त्रैमासिक) अप्रैल-जून 1998

इस अंक में

1. रेल सप्ताह समारोह
2. रेलपथ मशीन नियमावली समिति की बैठक
3. मुख्य इंजीनियरों के लिए ''रेलपथ'' पर कार्यशाला
4. कंप्यूटर कार्यशाला
5. रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य द्वारा संस्थान की हिंदी प्रगति का निरीक्षण
6. इंस्टीट्यूट ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) के अंर्तगत गतिविधियाँ
7. संस्थान में हिंदी टेलीफोन सूचना सेवा
8. मुख्य इंजीनियरों के लिए ''पुल'' पर कार्यशाला
9. कोंकण रेल के इंजीनियरों के लिए विशेष प्रशिक्षण
10. स्वागत 11. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
12. इरिसेन भवन की छत का मरम्मत कार्य
13. अंतर्राष्ट्रीय रेल संघ/ विदेशी प्रतिनिधिमंडल का इरिसेन दौरा
14. आपके पत्र

विश्व क्षितिज पर सूचना पत्र

आधुनिक ज्ञान विज्ञान की उन्नति के कारण हमारे दिन-प्रतिदिन के कार्यकलापों में कंप्यूटर के जोरदार प्रवेश के साथ ही गत माह से संस्थान का यह त्रैमासिक सूचना पत्र इंटरनेट पर भी उपलब्ध है. इंटरनेट के कारण आज सम्पूर्ण विश्व एक दायरे में सिमट गया है, अब इस सूचना पत्र के नवीनतम अंक को विश्व के किसी भी कोने में इंटरनेट की सुविधा रखनेवाले लोग पढ़ सकते है. इरिसेन के इंटरनेट का पता ऊपर दिया गया है.

1. रेल सप्ताह समारोह

संस्थान में दि. 15 अप्रैल को रेल सप्ताह समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम का संचालन श्री ब्रजेश कुमार, प्राध्यापक/रेलपथ 1 ने किया. श्री ब्रजेश कुमार ने अपने उद्घाटन भाषण में बताया कि भारतीय रेल देश की जीवनरेखा है, संरक्षा, सुरक्षा तथा समय पालन हमारा मूल-मंत्र है. ग्राहकों की संतुष्टि हमारा परम लक्ष्य है. मानव संसाधन विकास द्वारा इस लक्ष्य की प्राप्ति में इरिसेन का बड़ा योगदान है. रेल सप्ताह मनाने का उद्देश्य कर्मचारियों में कर्तव्य की भावना जगाना है. श्री राजीव भार्गव, वरिष्ठ प्राध्यापक/ रेलपथ ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि 11 अप्रैल 1852 को प्रथम रेल गाड़ी चली, इसी अवसर को याद करने के लिए हम रेल सप्ताह मनाते हैं. यात्री सेवाओं के अलावा हम माल का लदान करते हैं यह हमारे देश की रीढ़ है. हमारी प्रणाली बहुत विशाल

सम्पादकीय

त्रैमासिक सूचना पत्र का अप्रैल-जून' 98 अंक आपके हाथों में है. पिछले अंक की प्रशंसा अब तक जारी है. धन्यवाद, अनेक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई है, परिणामस्वरूप इस अंक से एक नया स्थायी स्तंभ ''आपके पत्र'' प्रारंभ किया जा रहा है. इस स्तंभ में प्रतिमाह कुछ चुनिंदा पत्र प्रकाशित किए जायेंगे, लिहाजा आपके पत्रों की प्रतीक्षा रहेगी.

रेल सेवा में नवागंतुक सिविल इंजीनियरी सेवा के परीवीक्षार्थियों को प्रशिक्षण देते तथा कार्यरत इंजीनियरों को नवीनतम विकास से परिचित कराते हुए ''ज्ञानज्योति से मार्गदर्शन'' के अपने मूल मंत्र का पालन करते हुए यह केन्द्रीयकृत प्रशिक्षण संस्थान राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है. हम संस्थान में वे सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प है, जिनके माध्यम से राजभाषा में सुगमता एवं शीघ्रतापूर्वक सरकारी कार्य हो सकें. कंप्यूटरों पर आधुनिकतम साफ्टवेयर लगाना, कंप्यूटर कार्यशाला, हिंदी टेलीफोन सूचना सेवा को प्रभावी बनाना, मोटीवेशन तथा सामान्य एवं तकनीकी शब्दकोशों की व्यवस्था आदि इस दिशा में किए गए कुछ प्रयास है. हमारे प्रयासों को रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य श्री बिलट पासवान शास्त्री की भारी सराहना प्राप्त हुई.

आगामी अंकों में इंजीनियरी विषयों से संबंधित हिंदी में लिखे गए छोटे-छोटे लेखों का स्वागत है.

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	मुद्रण एवं साजसज्जा
विनोद कुमार	अनिल कुमार	विपिन पवार	सी. एच. बठीजा
निदेशक	उप मुख्य राजभाषा अधि.	कंप्यूटर सहयोग	तकनीकी सहायक/कंप्यूटर
इरिसेन पुणे	एवं प्राध्यापक रेलपथ-2	शिवाजी तावड़े, एन.एल.गवंडी	एन.एम.गोटेफोडे

है, जिसका राष्टनिर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है. हमें अपने 'कार्पोरेट' उद्देश्यों को पूरा करना है, साथ ही कर्मचारियों को भी सम्मानित करना है.

इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए इरिसेन के कर्मचारियों को श्री विनोद कुमार, निदेशक के करकमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया.

तत्पश्चात एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनसमुदाय की भारी सराहना मिली. इस कार्यक्रम में इरिसेन के सभी कर्मचारियों, अधिकारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया.

उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए श्री विनोद कुमार, निदेशक ने कहा कि रेल सप्ताह इस बात का अनुस्मारक है कि आगामी वर्ष में आप क्या हासिल कर सकते है. आपने सभी को अपनी भूमिका पहचानने की अपील की. आगे आपने बताया कि उपलब्धियों का कभी अंत नहीं होता, लेकिन कठोर परिश्रम से सब संभव है.

अंत में श्री अरविंद कुमार, प्राध्यापक/प्रशिक्षण ने आभार प्रदर्शन किया.

2. रेलपथ मशीन नियमावली समिति की बैठक

इरिसेन में दिनांक 22 से 24 अप्रैल तक रेलपथ मशीन नियमावली समिति की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें रेलपथ मशीन नियमावली के प्रथम प्रारूप को अंतिम रूप दिया गया. बैठक में समिति के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार, निदेशक, इरिसेन के अलावा समिति के सदस्यों सर्वश्री के.जे.एस.नायडु, मुख्य रेलपथ इंजीनियर, दक्षिण रेल, ओ. पी. अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, अनुसंधान,अभिकल्प एवं मानक संगठन, लखनऊ रामासुब्रमणियन, मुख्य रेलपथ इंजीनियर(मशीन), द.पू.रेल तथा आर.एन.वर्मा, कार्यकारी निदेशक, रेलवे बोर्ड उपस्थित थे. बैठक में नियमावली के मसौदे को अन्तिम स्वरूप दिया गया.

3. मुख्य इंजीनियरों के लिए "रेलपथ" पर कार्यशाला

उच्च पदों पर आसीन सिविल इंजीनियरों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दि. 4 से 8 मई तक मुख्य इंजीनियरों के लिए "रेलपथ" पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमे 8 मुख्य इंजीनियरों ने भाग लिया.

इस कार्यशाला में निम्नलिखित विषयों पर विचार-विमर्श किया गया :-

1. *कंक्रीट स्लीपर रेल पथ पर रेलपथ अनुरक्षण.*
2. *आधुनिक रेलपथ के लिए सहा.रे.प.नि./रे.प.नि. के स्तर पर फील्ड यूनिटों को मजबूत बनाना.*
3. *भू-तकनीकी इंजीनियरी.*
4. *आधारतल (फार्मेशन) उपचार.*
5. *कमजोर आधार तल का पुनर्वसन.*
6. *रेलपथ मशीन.*
7. *रेलपथ अनुरक्षण के लिए बड़े पैमाने पर छोटी मशीनों का परिचय.*

4. कंप्यूटर कार्यशाला

दि.18 मई को संस्थान में 'कंप्यूटर कार्यशाला' आयोजित की गई. राजभाषा अनुभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में समस्त वैयक्तिक सहायकों, आशुलिपिकों तथा कंप्यूटर पर कार्य करने वाले अन्य पर्यवेक्षकों को कंप्यूटर पर राजभाषा में काम करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया. उन्हें नवीनतम साफ्टवेयर (श्रीलिपि) से परिचित कराया गया. इस अवसर पर उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री अनिल कुमार ने उपस्थित कर्मचारियों से कंप्यूटर पर अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करने की अपील करते हुए उन्हें राजभाषा संबंधी विभिन्न आदेशों, प्रावधानों, सुविधाओं तथा योजनाओं की जानकारी दी.

5. रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य द्वारा संस्थान की हिंदी प्रगति का निरीक्षण

दि. 23 मई को रेल मंत्रालय की रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य श्री बिलट पासवान शास्त्री "रीडर" ने संस्थान की हिंदी प्रगति का निरीक्षण किया.

श्री पासवान ने "हिंदी प्रदर्शनी" का अवलोकन करने के पश्चात प्रयोग शाला, स्थापना अनुभाग, व्याख्यान कक्ष, पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष आदि का निरीक्षण किया तथा बाद में निदेशक से विस्तृत चर्चा की.

संस्थान के निरीक्षण के समय सदस्य महोदय ने संस्थान में हिंदी के प्रयोग की भी समीक्षा की. श्री पासवान ने अपने निरीक्षण के दौरान संस्थान में हिंदी में किए जा रहे काम की बहुत प्रशंसा की. इस दौरान सदस्य महोदय ने कर्मचारियों के हिंदी ज्ञान की थाह लेते हुए आम तौर पर उसे संतोषजनक पाया.

आपने संस्थान में कंप्यूटरों पर हिंदी के प्रयोग को किसी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया गया एक अत्यन्त सराहनीय कार्य बताया तथा इस त्रैमासिक सूचना पत्र, जिसे कि संस्थान के कंप्यूटर पर छापा गया है, की भरपूर सराहना की. आपने पुस्तकालय के कामकाज पर भी संतोष व्यक्त किया. उच्च तकनीकी किस्म की व्याख्यान सामग्री के हिंदी अनुवाद को आपने विशेष सराहा सदस्य महोदय ने संस्थान के गैर हिंदी भाषी कर्मचारियों द्वारा हिंदी के प्रयोग की प्रशंसा की.

6. इंस्टीट्यूट ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) के अंतर्गत गतिविधियां

इस तिमाही में इंस्टीट्यूट ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) के अंतर्गत श्री अरबिंद कुमार, प्राध्यापक/प्रशिक्षण ने "सम्पर्क रहित संवेदक" (कांटेक्टलेस सेंसर्स) श्री राजेश अग्रवाल, प्राध्यापक/कार्य ने "दादर में रेल डाक सेवा भवन दुर्घटना (कोलैप्स) का अध्ययन" तथा श्री अरबिंद कुमार, प्राध्यापक/प्रशिक्षण ने "उच्च गति" विषय पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए.

7. संस्थान में हिंदी टेलीफोन सूचना सेवा

संस्थान में राजभाषा सहायक ग्रेड-1 के पद पर तैनाती हो जाने के बाद अब हिंदी टेलीफोन सूचना सेवा को अधिक प्रभावी बनाया गया है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक कार्य दिवस पर कार्य समय में निम्नलिखित विषयों पर जानकारी दी जा रही है. यह सेवा अब काफी लोकप्रिय बन चुकी है.

क. समानार्थक पर्याय की सूचना : जैसे-

1. *अंग्रेजी के किसी शब्द का हिंदी में अर्थ/पर्याय बतलाना.*
2. *हिंदी के किसी शब्द का अंग्रेजी में अर्थ/पर्याय बतलाना.*
3. *हिंदी के किसी शब्द का हिंदी में अर्थ/पर्याय बतलाना.*
4. *हिंदी की अभिव्यक्तियों जैसे-कहावतों, मुहावरों आदि का अर्थ बतलाना.*

ख. अनुवाद सहायता:

1. *हिंदी में मसौदा और टिप्पणी लेखन(नोटिंग व ड्राफ्टिंग) के बारे में मार्गदर्शन करना.*
2. *रबड़ स्टाम्पों, नोटिस बोर्डों आदि में प्रयुक्त अभिव्यक्तियों का हिंदी में अनुवाद करना.*

ग. राजभाषा हिंदी के विषय में जानकारी:

1. *राजभाषा विषयक संवैधानिक उपबंधों, राजभाषा अधिनियम और राजभाषा नियमों के बारें में जानकारी देना.*

2. *हिंदी प्रशिक्षण और हिंदी कार्यान्वयन के बारे में सरकार के विभिन्न आदेशों और निदेशों की जानकारी देना.*

घ. विविध :

हिंदी के प्रयोग-प्रसार में प्रोत्साहन के लिए रेल मंत्रालय और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रचलित प्रोत्साहन योजनाओं के संबंध में जानकारी देना.

8. मुख्य इंजीनियरों के लिए "पुल" पर कार्यशाला

दि. 22 से 26 जून तक मुख्य इंजीनियरों के लिए "पुल" पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें पांच मुख्य इंजीनियरों ने भाग लिया.

इस कार्यशाला में निम्नलिखित विषयों पर विचार विमर्श किया गया-

1. *पुलों पर लंबी वेल्डित रेल पटरियां.*
2. *श्रांति (फटिग)*
3. *पद्धति विवरण*
4. *पुल नियमावली - पुलों का निरीक्षण/अनुरक्षण*
5. *आमान परिवर्तन परियोजना में पुल निर्माण कार्य*
6. *भू-वयन (जियो-टेक्सटाइल्स) तथा मृदा में अनके अनुप्रयोग.*
7. *पुल कूट तथा उनकी व्यवहार्यता*
8. *भारतीय रेल पर पूर्व-प्रतिबल कंक्रीट पुलों का निर्माण*
9. *पुल प्रबंधन प्रणाली*
10. *रेल पुलों के सरंक्षा पहलू*
11. *पी एस सी गर्डरों सहित-पुर्नगर्डरिंग*
12. *पुल कूट*
13. *विवाचन एवं मध्यस्थता अधिनियम 1996*
14. *आमान परिवर्तन परियोजना में पुल*
15. *स्तंभ नींव (पाइल फाउंडेशन) का निर्माण*

9. कोंकण रेल के इंजीनियरों के लिए विशेष प्रशिक्षण

दि. 04 मई से 03 जुलाई तक कोंकण रेल निगम लिमिटेड के अनुरोध पर उनके कनिष्ठ इंजीनियरों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 12 इंजीनियरों ने भाग लिया. इस पाठयक्रम में रेलपथ एवं पुलों का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया.

10. स्वागत

श्री अजीत पंडित



मालवीय क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय,जयपुर से 1980 में सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक उपाधि प्राप्त, 1980 के समूह के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री अजीत पंडित ने मार्च 1982 में भारतीय रेल सेवा में प्रवेश किया. प्रथम तैनाती पश्चिम रेल के उज्जैन स्टेशन पर सहायक इंजीनियर के रूप में हुई, तदोपरांत मंडल इंजीनियर, रतलाम, भावनगर, जयपुर, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, जयपुर, उप मुख्य इंजीनियर(निर्माण) कोटा, अहमदाबाद, अजमेर तथा वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, कोटा जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के उपरान्त आपने इस तिमाही में संस्थान में वरिष्ठ प्राध्यापक(पुल) का पदभार ग्रहण किया. बैडमिंटन में रूचि रखने वाले स्वस्थ, प्रसन्नचित्त तथा कर्मठ श्री पंडित के खाते में दिल्ली-अहमदाबाद जैसे व्यस्त मार्ग पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आमान परिवर्तन का कार्य दर्ज है. हिंदी-प्रेमी श्री पंडित का मानना है कि इंजीनियरी विभाग में हिंदी के प्रयोग की संभावनाएं बलवती है.

श्री सुभाष चंद्र गुप्ता



मालवीय क्षेत्रीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जयपुर से 1987 में सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक उपाधि प्राप्त तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, दिल्ली से मृदा तकनीक तथा नींव इंजीनियरी तकनीक में एम. टेक. की उपाधि प्राप्त, 1988 के समूह के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री सुभाषचंद्र गुप्ता ने दि.7.1.1991 को भारतीय रेल सेवा में प्रवेश किया. प्रथम तैनाती पश्चिम रेल के रतलाम स्टेशन पर सहायक इंजीनियर के रूप में हुई, तदोपरांत सहायक इंजीनियर, राजकोट , कार्यकारी इंजीनियर(रेलपथ मशीन) बलसाड़, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर वडोदरा तथा उप मुख्य इंजीनियर (मुख्यालय) पश्चिम रेल, चचगेट जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के उपरान्त आपने इस तिमाही में संस्थान में प्राध्यापक/पुल 1 का कार्यभार ग्रहण किया. पर्यटन में खासी दिलचस्पी रखने वाले युवा, मृदुभाषी इंजीनियर ने रेलवे स्टॉफ कॉलेज, वडोदरा में हिंदी की परीक्षाओं में पुरस्कार प्राप्त किए हैं. आपके दृष्टिकोण से कर्मचारियों को हिंदी में काम करने का प्रशिक्षण देने की जरूरत है, जिससे वे इंजीनियरी विभाग की आवश्यकताओं के अनुरूप हिंदी में तेजी से काम कर सके.

11. निकट भविष्य में आयोजित किए जानेवाले प्रशिक्षण पाठयक्रम

सत्र क्र.	दिनांक		विषय
9824	13.07.98 --	17.07.98	कांटे एवं पारक
9826	20.07.98 --	31.07.98	ऑटोकैड पर संगणक पाठ्यक्रम
9856	20.07.98 --	14.08.98	प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण
9827	20.07.98 --	24.07.98	भू-तकनीकी इंजीनियरी
9828	27.07.98 --	31.07.98	सर्वेक्षण
9829	03.08.98 --	21.08.98	निजी क्षेत्र उपक्रम-विशेष पाठयक्रम
9833	10.08.98 --	21.08.98	संगणक
9834	24.08.98 --	18.09.98	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल तथा सामान्य)
9836	24.08.98 --	28.08.98	वास्तुकला एवं बागवानी
9837	31.08.98 --	25.09.98	इरकॉन इंजीनियरों के लिए
9839	21.09.98 --	25.09.98	रेलपथ नवीकरण योजना
9840	28.09.98 --	01.10.98	निर्माण तथा विवाचन
9841	05.10.98 --	09.10.98	रेलपथ प्रबोधन(मॉनिटरिंग)
9843	05.10.98 --	16.10.98	आमान परिवर्तन,निर्माण तथा दोहरीकरण.

12. इरिसेन भवन की छत का मरम्मत कार्य.

इरिसेन भवन जो कि 100 वर्ष से भी ज्यादा पुराना है. अपनी खुबसूरत स्थापत्य कला का प्रमुख उदाहरण है. इस भवन की मैंगलौर टाइल की छत जिसमे रिसाव **(Leakage)** भारी मात्रा में होता था, का पुन:र्वसन इसके मूल बाह्य स्वरूप को ध्यान में रखते हुए एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बगैर प्रभावित किये, किया जा रहा है.



13. अंतर्राष्ट्रीय रेल संघ/ विदेशी प्रतिनिधि मंडल का इरिसेन दौरा.

विश्वव्यापी गतिविधियों तथा यू. आई. सी. (अंतर्राष्ट्रीय रेल संघ) की विविध परियोजनाओं में भारतीय रेल की वृध्दिशील भूमिका को ध्यान में रखते हुए यू. आई. सी. पेरिस (फ्रान्स) के मुख्य कार्यपालक श्री फिलिप रूमगेयर **(Philippe Roumeguere)** तथा वर्ल्ड डिवीजन, यू. आई. सी. के निदेशक श्री वी.सी.शर्मा ने दि. 27.6.1998 को संस्थान का दौरा किया. इस अवसर पर श्री आर. के. सिंह, मुख्य रेलपथ इंजीनियर, मध्य रेल भी उपस्थित थे. इस विदेशी प्रतिनिधि मंडल ने सम्पूर्ण संस्थान का अवलोकन करने के पश्चात संकाय सदस्यों के साथ सूचना का आदान-प्रदान किया. विदेशी प्रतिनिधि मंडल ने यू.आई.सी. की परियोजनाओं जैसे कि रेल परिसम्पति के उपयोग में निजी प्रचालकों के लिए मूलभूत संरचना लागत, भारी धुरा (हैवी एक्सल) भार, चल आयामों का इष्टतमीकरण (ऑप्टीमाइसेशन) तथा भारत के माध्यम से दक्षिण-पूर्व एशिया को यूरोप से जोड़ने वाले त्रि-महाव्दीपी रेलवे नेटवर्क की चर्चा की. उन्होनें उपरोक्त कार्यों में यू.आई.सी.के साथ इरिसेन की भागीदारी की भी बात कही. इस विषय में उन्हें बताया गया कि हालांकि इरिसेन यू.आई.सी.के साथ कार्य करने के लिए तैयार है, लेकिन अंतिम निर्णय रेलवे बोर्ड द्वारा ही लिया जाएगा.

14. आपके पत्र



यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आपके संस्थान ने त्रैमासिक हिंदी पत्रिका के प्रकाशन की शुरूआत की है. इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए हमारी बधाई स्वीकार करें. देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी के मानक रूप का प्रयोग पत्रिका को लोकप्रिय बनाने में सहायक होगा. पत्रिका में प्रोबेशनरों के बीच हिंदी के प्रयोग को लोकप्रिय बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का विवरण देने से पत्रिका की उपयोगिता बढ़ेगी, ऐसा हमारा मानना है.

-- धीरेंद्र कुमार झा, प्रोफेसर/राजभाषा
रेलवे स्टाफ कॉलेज, वडोदरा

आपके संस्थान द्वारा प्रकाशित "त्रैमासिक हिन्दी पत्रिका" के प्रथम संस्करण का अवलोकन करते हुए सुखद अनुभव हुआ. भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है और हिन्दी उसका हृदय. इसके माणिकांचन संयोग की दिशा में आपने एक सकारात्मक पहल की है. पत्रिका अभी शैशव में है, इसे [illegible] निखारें, समय-सापेक्ष इसमें कविताएं, कहानियां, एवं अन्य साहित्यिक विधा[illegible] के साथ ही तकनीकी लेखों को स्थान दें.

-- जे.एन.प्रसाद ,वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी-1, पूर्व रेल मुख्यालय, कलकत्ता

- इस पत्रिका को सूचनात्मक ही रखा गया है अत: साहित्यिक विषयों पर रचनाओं को अभी स्थान दे पाना संभव नहीं होगा. - संपादक

पत्रिका में संस्थान की गतिविधियों की जानकारी के साथ-साथ वर्ष 1998 के दौरान चलाये जाने वाले पाठ्यक्रमों का कैलेन्डर भी दिया गया है, जो रेलों के लिए मार्गदर्शक होगा. मेरा सुझाव है कि इस पत्रिका में इंजीनियरी विभाग से संबंधित छोटे क्यों न हों, सूचनात्मक तकनीकी लेख शामिल किये जायेंगे, तो वे रेलों पर कार्यरत अधिकारियों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगे

-- पांडुरंग मुगले , वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, मध्य रेल, सोलापुर

पत्रिका का प्रकाशन एवं मुद्रण सुंदर है जिसके लिए मुख्य [illegible] तथा पत्रिका के संपादन से जुड़े हुए अन्य अधिकारी एवं सहयोगी बधाई के पात्र है. पत्रिका के सुंदर प्रकाशन को जारी रखने के साथ साथ राजभाषा हिंदी संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने में भी अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें.

-- विश्वामित्र ,राजभाषा अधिकारी ,मध्य रेल मुख्यालय, मुंबई छ.शि.ट.

सूचना पत्र की एक प्रति प्राप्त हुई. इस के लिए धन्यवाद. संस्थान की विविध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हुयी. प्रयास सराहनीय है. आशा है भविष्य में भी इसे उपलब्ध करायेंगे. यही हमारी कामना है.

-- मुहम्मद नसरूल्लाह ,राजभाषा अधिकारी, पूर्वोत्तर रेल, लखनऊ

श्री अनिल कुमार,उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक/रेलपथ-2, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, रेल मंत्रालय पुणे-1 द्वारा प्रकाशित एवं संस्थान के संगणक केन्द्र में मुद्रित.
केवल सीमित निशुल्क आंतरिक वितरण हेतु.